

17/4/25

पत्रावली काज पेश हुई। गार्थी स्वयं किनू।
न्यायालय समय में रक-रक तीन बार काज
लगाए गए बावजूद गार्थी अनुपस्थित। फलतः
पत्रावली गैर हाजिरी एवम् फुडू पैरकी में
खारिज की जाती है। पत्रावली फंसल शुमार
होकर नाखिले फलतः हो एवम् नम्बर से कम हो।

②

